



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 36]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 4, 1993/भाद्र 13, 1915

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 4, 1993/BHADRA 13, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन क रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केंद्रीय अधिकारियों (संघ राज्य
क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए गए और जारी किये गए साधारण सांख्यिक
नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम और संमेलन हैं)

**General Statutory Rules (including Orders, By-laws etc. of a general
character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities
(other than the Administration of Union Territories)**

वित्त, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1993

सा.का.नि. 439.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम,
1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के
परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत
सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग)
दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि.
3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है)
में आंशिक उपान्तरण करते हुए भारत सरकार एनद्द्वारा
यह निर्देश देता है कि मैसर्स टोनन ट्रेडिंग कं. लिमिटेड
(जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया) के मामले
में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की
उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी
विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा
उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों
के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-3-93, 31-3-94 व 31-3-95 की
वित्तीय वर्षों की वास्तव अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के
संबंध में भारत में सम्बन्धित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित
की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा
(1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ
समझा जाएगा:—

(i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तिवर्षों तथा किये गये
भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (i) अधिनियम
की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत
आदेशिका सेवा स्वीकार की करने के लिए प्राधिकृत किसी
व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापान
द्वारा किया गया है।

(ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया यथा
निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परि-
सम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा

(ii) उक्त मद्र (i) में दिये व्यक्तिओं के द्वारा विनिर्दिष्ट हस्ताक्षरित उक्त आदेश का प्रमाणपत्र कि कम्पनी 31-3-93, 31-3-94 व 31-3-95 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या : 50/25/93-सी.एल.-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-93, 31-3-94 and 31-3-95 the company in respect of its Indian Business, accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

(i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act, and (2) a Chartered Accountant practising in India.

(ii) A statement of the company assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and

(iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-93, 31-3-94 and 31-3-95.

[No. 50/25/93-CL III]

DHARAM PAL, Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 13th August, 1993

G.S.R. 438.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M/s. Toran Trading Company Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1993

सा. का. नि. 439.:—केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड, भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धारा 31 की उपधारा (1) की अंशानुसार, भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1950 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करता है। प्रस्तावित विधियों का निम्नलिखित प्राकर उन सभी व्यक्तियों को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है कि इनमें प्रभावित होने का संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राकर पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि और इसके सर्वसाधारण को उपलब्ध होने के 45 दिन की अवधि की समाप्ति पर विचार किया जाएगा।

उन प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व, उक्त प्राकर के संबंध में किसी भी व्यक्ति से प्राप्त आशेष या सुझाव पर केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड द्वारा विचार किया जाएगा। उक्त आशेष या सुझाव सचिव, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 के नाम भेजे।

मसौदा विधिवन

1. इन विधियों को इंडियन बॉयलर (चतुर्थ संशोधन) रेगुलेशन, 1950 कहा जाएगा।

2. इंडियन बॉयलर रेगुलेशन, 1950 (जिन्हें तत्कालीन उक्त रेगुलेशन कहा जाएगा) में, रेगुलेशन 3 में उक्त रेगुलेशन (4) के स्थान पर निम्नलिखित उक्त रेगुलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“(4) जहां इन रेगुलेशन में किसी दबाव का डिजाइन या निर्माण के लिए कोई विनिर्दिष्ट उपकरण नहीं है, उक्त विनिर्दिष्ट प्रथाएँ ऐसे दबाव अवयवों, समेत माउंटिंग व फिटिंग के डिजाइन, निर्माण, पड़ोस निरीक्षण और प्रमाणपत्रों की अनुमति दे सकती है जो कि औद्योगिक रूप में विकसित देशों से आवश्यकता प्रयोग किए जाने वाले संहिताओं या मानकों जैसे बी.एन.ए., ए.एन.एन.ई. विनियम व प्रेशर वेहन संहिता, टी ई एन ए, टी आर डी, एंटी एंड और जो आई एस के अनुसूच हैं ऐसे मामलों में इंजिनियरिंग प्रथाओं का निर्धारण प्रथाओं को मान्य होगा।”

3. उक्त रेगुलेशन में रेगुलेशन 4 के स्थान पर निम्नलिखित रेगुलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“4ई. मान्यता के प्रमाणपत्र का नवीकरण:—

(ए) मान्यता के प्रमाणपत्र के नवीकरण की इच्छुक फर्म प्रमाणपत्र की वैधता की समाप्ति से कम से कम तीन महीने पहले नवीनीकरण के लिए सचिव, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड को आवेदनपत्र देगी जो कि इन विधियों में दी हुई कार्य

विधि का पालन करते हुए मान्यता के प्रमाणपत्र का नवीनीकरण कर सकता है और यह नवीनीकरण आगे तीन वर्ष तक वैध होगा ;

(बी) उप रेगुलेशन (ए) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होने हुए भी, वैधता की अवधि तब तक बढ़ी हुई मानी जाएगी जब तक की नवीनीकरण का निर्णय फर्म को सूचित नहीं कर दिया जाता ।”

4. उक्त रेगुलेशन में, रेगुलेशन 23 को उसी को उप रेगुलेशन (i) अंकित किया जायेगा और इस प्रकार अंकित उप-रेगुलेशन

(i) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-रेगुलेशन निविष्ट की जाएगी, अर्थात् :—

(ii) प्रत्येक प्लेट इसात निर्माता द्वारा आई एस: 2002 के उपबन्धों के अनुसूच अंकित की जाएगी। निम्नलिखित जानकारी अनिवार्य रूप से दी जाएगी :—

1. निर्माता का नाम

2. मानक का व्यौरा

3. हीट संख्या

4. प्लेट संख्या

5. मुहर ।

5. उक्त रेगुलेशन में, रेगुलेशन 56 में, रेगुलेशन (i) के स्थान पर, निम्नलिखित उप रेगुलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

(i) द्रव्य जांच—प्रत्येक ट्यूब को निर्माण पूरी होने पर निर्माता के कारखाने में जांचा जाएगा और उसे डिजाइन दबाव के डेढ़ गुना, जो कि 0.70 किलोग्राम/वर्ग मिलीमीटर से कम नहीं व निम्नलिखित सूत्र से निकाले गये दबाव से अधिक नहीं हो, सहना होगा :

$$P_i = \frac{2 \text{ एस टी}}{D_i}$$

जहाँ पर, P_i = जांच दबाव

D_i = ट्यूब का बाह्य व्यास

T_i = ट्यूब को दोषार की सामान्य मोटाई

एस = कमरे के तापमान पर न्यूनतम तनाव शक्ति के 40 प्रतिशत के बराबर लिया जाने वाला तनाव ।

6. उक्त रेगुलेशन में, रेगुलेशन 148 के स्थान पर निम्नलिखित रेगुलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“148. स्टे ट्यूब :

(ए) स्टे ट्यूब वो ट्यूब होगी जिसको वेल्ड की गहराई ट्यूब की सामान्य मोटाई जमा 3 मिलीमीटर के बराबर हो । ये स्टे ट्यूब ट्यूब नैस्ट के भीतर वांछित नहीं हैं सिवाय इसके कि जब ट्यूब नैस्ट में वही ट्यूब हैं जिन्हें केवल फेंकाया गया हो ।

(बी) यदि ट्यूब नैस्ट ऐसी प्लेट ट्यूबों का बना हो जिन्हें फेंकाकर वोड किया गया हो, फेंकाकर बंटोतूमा बनाया गया हो या फेंकाकर वेल्ड किया गया हो, तो वेल्ड को हुई स्टे ट्यूबों ट्यूब क्षेत्र के बाहर चपटी प्लेट का बोत उठाने के लिए बाहर की अंतिम कतारों में प्रभाव संख्या से लगाई जाएगी ।

(सी) ज्वाला के सामने या गैस तापमान 600 डिग्री सेल्सियस से अधिक में जल वाती प्लेट ट्यूबों या स्टे ट्यूबों के विषय में, वेल्ड को हुई ट्यूबों के छोर वेल्ड के साथ समतल कर दिये जाएंगे । ज्वाला आदि के सामने न पड़ने वाले ट्यूबों के लिए, वेल्ड को हुई ट्यूबों वेल्ड से आगे अधिकतम 10 मिलीमीटर तक बढ़ा हुई होंगी या, फेंकाई हुई ट्यूबों के विषय में, ट्यूबों ट्यूब प्लेट से आगे अधिकतम 15 मिलीमीटर तक बढ़ा हुई होंगी ।

(डी) प्रत्येक स्टे ट्यूब का डिजाइन इस प्रकार से किया जाएगा कि प्लेटें जिसे कि वह सहारा देती है, पर पड़ने वाले समानुपातिक बोझ उठा सके ।

(ई) ट्यूब प्लेट में वेल्ड को हुई स्टे ट्यूब की मोटाई ऐसी होनी चाहिए कि ट्यूब के कम से कम मोटाई वाले भाग पर पड़ने वाला ध्रुवीय तनाव 70 न्यूटन प्रति वर्ग मिलीमीटर से अधिक न हो ।

(एफ) किसी भी भाग में स्टे ट्यूब की मोटाई नीचे दी गई तालिका में दिखाए गये सखों से कम न होगी । ट्यूब आर्डर करते समय श्रृणात्मक गुंजाइश हिसाब में ली जाएगी ।

तालिका

सामान्य बाह्य व्यास मिलीमीटर में

न्यूनतम मोटाई मिली-
मीटरों में

(1)	(2)
38 मिलीमीटर से अधिक नहीं	2.28
38 मिलीमीटर से अधिक परन्तु 51 मिलीमीटर से अधिक नहीं	2.81
51 मिलीमीटर से अधिक परन्तु 70 मिलीमीटर से अधिक नहीं	3.12
70 मिलीमीटर से अधिक परन्तु 76.2 मिलीमीटर से अधिक नहीं	3.38
76.2 मिलीमीटर से अधिक परन्तु 88.9 मिलीमीटर से अधिक नहीं	3.96
88.9 से अधिक मिलीमीटर परन्तु 101.6 मिलीमीटर से अधिक नहीं	4.26
101.6 से अधिक मिलीमीटर परन्तु 127 मिलीमीटर से अधिक नहीं	4.55

7. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 151 में, ब्रजाज (डी) में, अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाएगा, अर्थात् :
“कार्बन स्टील के लिए :

- (i) अधिकतम 0.30 प्रतिशत कार्बन
(ii) अधिकतम मोटाई 9 मिलीमीटर।”

8. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 307 में, उप-रैगूलेशन (ए) में निर्दिष्ट मैंगनीज स्टील से सम्बन्धित तालिका के पश्चात् निम्नलिखित तालिका जोड़ें व तालिका निम्नलिखित को जाएंगे, अर्थात् :—

“एनाय स्टील

तत्व प्रतिशत में	ग्रेड-I	ग्रेड-II	ग्रेड-III	ग्रेड-IV
कार्बन	0.55 से 0.65	0.46 से 0.54	0.55 से 0.65	0.55 से 0.65
मैंगनीज	0.70 से 1.00	0.70 से 0.90	0.70 से 1.00	0.70 से 1.00
सिलिकॉन	0.10 से 0.35	0.10 से 0.35	0.10 से 0.35	1.70 से 2.10
फॉस्फोरस	0.60 से 0.90	0.80 से 1.10	0.40 से 0.60	0.20 से 0.40
मोबोइलैडनम	—	—	0.15 से 0.25	0.20 से 0.30
वैनीडियम	—	0.15 न्यूनतम	—	—
निकल	—	—	0.40 से 0.70	—
फास्फोरस	—	—	—	—
अधिक	—	—	—	—”

9. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 337 में, ब्रजाज (डी) में, अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—
“कार्बन स्टील के लिए :

- (i) अधिकतम 0.30 प्रतिशत कार्बन
(ii) अधिकतम मोटाई 9 मिलीमीटर।”

10. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 374 में, उप-रैगूलेशन (ए) के स्थान पर निम्नलिखित उप-रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(ए) (i) प्रत्येक पूर्ण पाईप व फिटिंग को निर्माण पूरा होने पर निर्माता के कारखाने में जांचा जाएगा और उसे द्रवीय दबाव, जो कि डिजाइन दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुना परन्तु 0.70 किलोग्राम/वर्ग मिलीमीटर से कम नहीं व निम्नलिखित सूत्र से निकाले गये दबाव से अधिक नहीं हो, सहना होगा ;

$$2 \text{ एस टी}$$

$$पी = \frac{\text{---}}{\text{---}}$$

डी

जहाँ, पी=जांच दबाव

डी=पाईप का बाह्य व्यास,

टी=पाईप की दीवार की सामान्य मोटाई,

एस=कमरे के तापमान पर न्यूनतम तनाव शक्ति के 40 प्रतिशत के बराबर लिया जाने वाला तनाव।

- (ii) पैराग्राफ (i) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, इन्स्पेक्टिंग अथॉरटी द्वारा निर्माता के प्रागण में की जाने वाली द्रवीय जांच छोड़ी जा सकती है बशर्ते कि पाइपों को किसी उपयुक्त विधि जैसे अल्ट्रासोनिक या/और ऐंडी करेन्ट टेस्ट द्वारा नान-डैमेट्रिक टैस्ट किया गया हो।

11. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 534 ए में, उप रैगुलेशन (ए) के स्थान पर, निम्नलिखित उप रैगुलेशन प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(ए) फोड पाइप का निरीक्षण,—

- (i) प्रत्येक पूर्ण फोड पाइप व फिटिंग को निर्माण पूरा होने पर निर्माता के कारखाने में जांचा जाएगा और उसे द्रवीय दबाव जो कि डिजाइन दबाव के $1/1.2$ गुना परन्तु 0.70 किलोग्राम-वर्ग मिली-मीटर से कम नहीं व निम्नलिखित सूत्र से निकाले गये दबाव से अधिक नहीं हो, सहना होगा ;

$$P_i = \frac{2 \text{ एस टी}}{डी}$$

जहां, P_i = जांच दबाव

डी = पाइप का बाह्य दबाव,

टी = पाइप की दीवार की सामान्य मोटाई,

एस = कमरे के तापमान पर न्यूनतम तनाव शक्ति के 40 प्रतिशत के बराबर लिया जाना वाला तनाव।

- (ii) पैराग्राफ (i) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, इन्स्पेक्टिंग अथॉरटी द्वारा निर्माता के प्रागण में की जाने वाली द्रवीय जांच छोड़ी जा सकती है बशर्ते कि पाइपों को किसी उपयुक्त विधि जैसे अल्ट्रासोनिक या/और ऐंडी करेन्ट टेस्ट द्वारा नान-डैमेट्रिक टैस्ट किया गया हो।

12. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 562 में, उप रैगुलेशन (2) के पश्चात् अन्त में निम्नलिखित उप रैगुलेशन जोड़ी जाएगी अर्थात् :—

“(3) उप रैगुलेशन (1) व (2) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, यदि छोटे अक्षरों की मोटाई 20 मिलीमीटर से अधिक है और देरुड की त्रिरी भी 20 मिलीमीटर से अधिक है, इन्स्पेक्टिंग अथॉरटी की सन्तुष्टि पर स्वानीय स्ट्रेस रिलीविंग की अनुमति दी जाएगी।”

13. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 579 में, उप रैगुलेशन (बी) व (सी) के स्थान पर, निम्नलिखित उप रैगुलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(बी) बाह्य दबाव से प्रभावित ट्यूबों की मोटाई निम्न प्रकार से निकाली जाएगी :

$$टी = \frac{डब्ल्यू पी \times डी}{1.6 \text{ एफ}} \times \text{सी} \text{---XII/14}$$

जहां, टी = ट्यूब की न्यूनतम मोटाई, मिलीमीटर में ;

डब्ल्यू पी × बाह्य प्रचालन दबाव, किलोग्राम वर्ग सेंटीमीटर (गेज)

डी = ट्यूब का बाह्य व्यास, मिलीमीटर में,

सी = संशोधन भत्ता जो कि 0.75 मिलीमीटर होगा परन्तु

स्टेनलेस स्टील के लिए सी = 0.0 उपयोग कर्ता द्वारा मान ज्यादा लगाया जा सकता है ;

एफ = रैगुलेशन 338 के अनुसार स्वीकार्य स्ट्रेस।

(सी) किसी भी स्थिति में बाह्य दबाव में सीवी ट्यूबों की मोटाई नीचे दी हुई मोटाई से कम नहीं होगी :—

ट्यूब बाह्य व्यास
(मिलीमीटर)

न्यूनतम मोटाई
(मिलीमीटर)

32 से अधिक नहीं	2.10
32 से अधिक परन्तु 39 से अधिक नहीं	2.28
39 से अधिक परन्तु 51 से अधिक नहीं	2.81
51 से अधिक परन्तु 70 से अधिक नहीं	3.12
70 से अधिक परन्तु 77 से अधिक नहीं	3.38
77 से अधिक परन्तु 89 से अधिक नहीं	3.96
89 से अधिक परन्तु 102 से अधिक नहीं	4.26

(डी) आंतरिक दबाव :

आंतरिक दबाव से प्रभावित द्यूबों की मोटाई निम्न प्रकार से निर्धारित जाएगी :—

डब्यू पी × डी

$$टी = \frac{\text{डब्यू पी} \times \text{डी}}{\text{+ सी}} = \text{XII/15}$$

डब्यू पी + 2 एफ

जहां डब्यू पी = आंतरिक प्रचालन दबाव, किलोग्राम/वर्ग सेंटीमीटर (गेज) और अन्य संकेताक्षर ऊपर (जी) में दिये गए सारणीकरण के अनुसार।

किसी भी स्थिति में आंतरिक दबाव में सीधी द्यूबों की मोटाई नीचे दी गई मोटाई से कम नहीं होगी :

द्यूब बाह्य व्यास (मिलीमीटर)	न्यूनतम मोटाई (मिलीमीटर)
39 से अधिक नहीं	1.75
39 से अधिक परन्तु 51 से अधिक नहीं	2.16
51 से अधिक परन्तु 70 से अधिक नहीं	2.4
70 से अधिक परन्तु 77 से अधिक नहीं	2.6
77 से अधिक परन्तु 96 से अधिक नहीं	3.05
96 से अधिक परन्तु 102 से अधिक नहीं	3.28
102 से अधिक परन्तु 127 से अधिक नहीं	3.5"

14. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 581 में, उप-रैगुलेशन (बी) में, अन्तिम पैराग्राफ में, श्राद्धति संख्या XII/67 हटा दी जाएगी।

15. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 592 में उप-रैगुलेशन (डी) में, अन्तिम वाक्य के स्थान पर, निम्नलिखित वाक्य प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“नाली (कास्गेशन) की गहराई जसा प्लेट की मोटाई 51 मिलीमीटर से कम नहीं होगी।”

16. उक्त रैगुलेशन में, फार्म III में, विवरण संबंधी क्रम संख्या 1 के सामने, प्रविष्टि “कुल वाष्पीकरण :— पाउण्ड/घंटा (अधिकतम अविरत दर)” हटा दी जाएगी।

17. उक्त रैगुलेशन में (i) फार्म XV ए व XV बी में, क्रम संख्या 2 व इसके सामने प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“2. पत्र व्यवहार के लिए पता”

(ii) फार्म XV सी, XV डी व XV ई में, क्रम संख्या 2 व इसके सामने प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“2. कारखाने का पता।”

[मिसिल संख्या G(10)/92 बायबल]

विजय कुमार शंकर, सचिव,

पाद टिप्पण : मूल विनियम एस.आर.ओ. संख्या 800 दिनांक 15 दिसम्बर, 1950 से केवल अंग्रेजी में प्रकाशित किये गये थे व अन्तिम बार सा.का.नि. संख्या 178 व 179, भारत के राजपत्र भाग II खंड 3 (i) दिनांक 24 मार्च, 1990 से संशोधित किये गये थे।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

Central Boilers Board

New Delhi, the 29th August, 1993

G.S.R. 439.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 23 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is hereby published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said

Act, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on the expiry of 45 days from the date the Gazette containing this notification is made available to the public;

2. Any objections or suggestions which may be received from any persons with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Udyog Bhavan, New Delhi.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Indian Boiler (Fourth Amendment) Regulations, 1993.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred as the said regulation for sub-regulation 4, the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(4) Where no specific provision is made in these regulations for design or manufacture of any pressure part, the Inspecting Authority may permit the design, manufacture, stage inspections and certification of such pressure parts including the valves, maintenance and fittings conforming to the codes or standards like B.S., ASME Boiler and pressure vessels code, TEMA, TRD, COST and JIS which are known to be commonly used in industrially advanced countries. The decision of Inspecting Authorities shall be binding on all Registering authorities.”

3. In the said regulations, for regulation 4E, the following regulation shall be substituted, namely :—

“4E. Renewal of certificate of recognition.—

(a) A firm desiring renewal of the certificate of recognition shall apply for such renewal at least three months before the expiry of the validity of the certificate to the Secretary, Central Boilers Board who after following the procedure laid down in these regulations may renew the certificate of recognition and such renewal shall be valid for a further period of three years;

(b) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (a), the period of validity shall be deemed to have been extended till such time the decision on the renewal is communicated to the firm.”

4. In the said regulations, regulation 23 shall be numbered sub-regulation (i) thereof and after sub-regulation (i) as so numbered, the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(ii) Every plate shall also be stamped by the steel maker as provided in IS : 2002. The following information shall necessarily be provided :—

1. Name of the manufacturer;
2. Specification;
3. Heat No.;
4. Plate No.; and
5. Stamp.

5. In the said regulations, in regulation 56, for sub-regulation (i), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(i) Hydraulic Test—Each tube shall be tested at the Maker's works on completion of manufacture and shall withstand a hydraulic pressure, to one and a half times, the design pressure subject to a minimum of 0.70 kgf/mm² but not greater than pressure calculated by the following formula.

$$P = \frac{2 S t}{D}$$

D

Where, P=test pressure,

D=outside diameter of the tube.

S=nominal wall thickness of the tube.

S=Stress which shall be taken as 4% of the minimum tensile strength at room temperature.

6. In the said regulations, for regulation 148 the following regulation shall be substituted, namely :—

“148. Stay tubes:

- (a) Stay tubes are tubes having a weld depth equal to the nominal tube thickness plus 3 millimetres. These stay tubes are not required within tube nests except when the tube nests comprise tubes which are expanded only.
- (b) If tube nests comprise plain tubes that are expanded, and beaded, expanded and belled or expanded and welded, welded stay tubes shall be used in boundary rows in sufficient numbers to carry the flat plate loadings outside the tube area.
- (c) For plain tubes or stay tubes exposed to flame or gas temperature exceeding 60° C, the ends of welded tubes shall be dressed flush with the welds. If not so exposed, the ends of welded tubes shall extend a maximum of 10 millimetres beyond the weld or, in the case of expanded tubes the tubes shall project beyond the tube plate upto a maximum of 15 millimetres.
- (d) Each stay tube shall be designed to carry its due proportion of the load on the plates which it supports
- (e) The thickness of stay tubes welded into tube plates shall be such that the axial stress on the thinnest part of the tube does not exceed 70 N/mm.
- (f) The thickness of stay tube at any part shall not be less than the values shown in the Table below. Minus tolerances shall be taken into account when ordering tubes.

TABLE

Nominal outside diameter in millimetres	Minimum thickness in millimetres
(1)	(2)
Not exceeding 38	2.28
Exceeding 38 not exceeding 51	2.81
Exceeding 51 not exceeding 70	3.12
Exceeding 70 not exceeding 76.2	3.38
Exceeding 76.2 not exceeding 88.9	3.96
Exceeding 88.9 not exceeding 101.6	4.26
Exceeding 101.6 not exceeding 127	4.55.”

7. In the said regulations, in regulation 151, in clause (d), the following shall be added at the end, namely :—

“For carbon steel:

- (i) a maximum carbon percentage of 0.30.
- (ii) a maximum thickness of 9 mm.”

8. In the said regulations, in regulation 307, in sub-regulation (a), after the table relating to Silicon Manganese Steel, the following table heading and table shall be inserted, namely :—

“Alloy Steel

	Grade I	Grade II	Grade III	Grade IV
Carbon%	0.55 to 0.65	0.46 to 0.54	0.55 to 0.65	0.55 to 0.65
Manganese%	0.70 to 1.00	0.70 to 0.90	0.70 to 1.00	0.70 to 1.00
Silicon%	0.10 to 0.35	0.10 to 0.35	0.10 to 0.35	0.10 to 0.35
Chromium%	0.60 to 0.90	0.80 to 1.10	0.40 to 0.60.	0.20 to 0.40
Molybdenum%	—	—	0.15 to 0.25	0.20 to 0.30
Vanadium%	—	0.15 min.	—	—
Nickel%	—	—	0.40 to 0.70	—
Phosphorus%	—	—	—	—
Sulphur%	—	—	—	—

9. In the said regulations, in regulation 337, in clause (d), the following shall be added at the end, namely :—

“For carbon steel:

- (i) a maximum carbon percentage of 0.30.
- (ii) a maximum thickness of 9 mm.”

10. In the said regulations, in regulation 374, for sub-regulation (a), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(a) (i) Each completed pipe and fitting shall be tested at the Maker's works on completion of manufacture and shall withstand a hydraulic pressure, to one and half times the design pressure subject to a minimum of 0.70 kgf/mm² but not greater than pressure calculated by the following formula.

$$P = \frac{2 St}{D}$$

Where, P = test pressure;

D = outside diameter of the pipe;

t = nominal wall thickness of the pipe;

S = stress which shall be taken as 40% of the minimum tensile strength at room temperature.

- (ii) Notwithstanding anything contained in paragraph (i), the hydraulic test for pipes in Makers' premises may be dispensed with by the Inspecting Authority provided that the pipes are subject to non-destructive testing by an appropriate method like ultrasonic or/and Eddy current testing.”

11. In the said regulations, in regulation 534A, for sub-regulation (a), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(a) Inspection of feed pipes.—

- (i) Each completed feed pipe and fitting shall be tested at the Maker's works on completion of manufacture and shall withstand a hydraulic pressure, to one and a half times the design pressure subject to a minimum of 0.70 kgf/mm² but not greater than pressure calculated by the following formula.

$$P = \frac{2 St}{D}$$

Where, P = test pressure;

D = outside diameter of the pipe;

t = nominal wall thickness of the pipe;

S = stress which shall be taken at 40% of the minimum tensile strength at room temperature.

- (ii) Notwithstanding anything contained in paragraph (i), the hydraulic test for pipes in Makers' premises may be dispensed with by the Inspecting Authority provided that the pipes are subject to non-destructive testing by an appropriate method like ultrasonic or/and Eddy current testing.”

12. In the said regulations, in regulation 562, after sub regulation (2), the following sub-regulation shall be added at the end, namely :—

- (i) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1) and (2), if the thickness of a small component of boiler exceeds 20mm and the weld recess also exceeds 20mm, local stress relieving to the satisfaction of the Inspecting Authority shall be permitted.”

13. In the said regulations, in regulation 579, for sub regulations (b) and (c), the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

- (b) The thickness of tubes under external pressure shall be calculated as under :—

$$t = \frac{WP \cdot D + C}{1.6 f} \text{---XII/14}$$

Where, t = minimum thickness of tube, mm

WP = External working pressure; kg/cm²(g)

D = Outside tube diameter in millimetres

C = Corrosion allowance to be taken as 0.75 millimetre but for stainless steel $C = 0$.

Higher value may be adopted if desired by user;

F = allowable stress as per regulation 338.

(c) In no case the thickness of straight tubes under external pressure shall be less than as specified below:—

Tube outside diameter (mm)	Minimum thickness (mm)
Not exceeding 32	2.10
Exceeding 32 Not exceeding 39	2.28
Exceeding 39 Not exceeding 51	2.81
Exceeding 51 Not exceeding 70	3.12
Exceeding 70 Not exceeding 77	3.38
Exceeding 77 Not exceeding 89	3.96
Exceeding 89 Not exceeding 102	4.26

(d) Internal Pressure:

The thickness of tubes under internal pressure shall be calculated as under:

$$t = \frac{WP.D + C}{W + 2f} \text{---XII/15}$$

Where WP — Internal working pressure, g/cm²(g), and other symbols as per clarifications indicated (a) above

In no case the thickness of straight tubes under internal pressure shall be less than listed below:

Tube outside Diameter (mm)	Minimum thickness (mm)
Not exceeding 39	1.75
Exceeding 39 Not exceeding 51	2.16
Exceeding 51 Not exceeding 70	2.4
Exceeding 70 Not exceeding 77	2.6
Exceeding 77 Not exceeding 96	3.05
Exceeding 96 Not exceeding 102	3.28
Exceeding 102 Not exceeding 127	3.5

14. In the said regulations, in regulation 581, in sub-regulation (b), in the last paragraph, the figures "XII/67" shall be deleted.

15. In the said regulations, in regulation 592, in sub-regulation (d), for the last sentence, the following shall be substituted, namely :—

"The depth of corrugation plus the thickness of the plate shall not be less than 51 millimetres."

16. In the said regulations, in Form III, against serial number 1 relating to "Description", the entry "Total evaporation lbs/hr. (maximum continuous rating)" shall be omitted.

17. In the said regulation,—"(i) in Forms XV A and XV B, for serial number 2 and the entry against in, the following shall be substituted, namely :—

"2. Address for correspondence"

(ii) in Forms XV C, XV D and XV E, for serial number 2 and the entry against in, the following shall be substituted, namely :—

"2. Works address"

[File No. 6(18)/92—Boilers]

V.K. GOEL, Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1993

मा.का.नि. 440.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक भर्ती नियम, 1977 को उन बातों के सिवाय अधिकांत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी (कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक) भर्ती नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों में उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा से, अन्य अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता.—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति के जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेंगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय मिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं ?	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1 (एक) * *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ग", अराजपत्रित, अनुसूचिवीय	1400-10-1800-द.रा.-50-2300 रुपये	लागू नहीं होता	नहीं	28 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)

1	2	3	4	5	6	7
						टिप्पण : आयु-सीमा अव- धारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों में आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी। (न कि वह अन्तिम तारीख जो अरुण, मेघालय, अरुणा- चल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू कश्मीर राज्य के लद्दाख गंज, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है।)
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं		सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं।				परिबीक्षा का अवधि, यदि कोई हो।
8		9				10
किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से हिन्दी/अंग्रेजी में मास्टर डिग्री, जिसमें डिग्री स्तर पर अंग्रेजी हिन्दी अनिवार्य/वैकल्पिक विषय या परीक्षा का माध्यम रहा हो।		लागू नहीं होता।				2 वर्ष
या						
किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से हिन्दी/अंग्रेजी से भिन्न किसी विषय में मास्टर डिग्री जिसमें डिग्री स्तर पर हिन्दी तथा अंग्रेजी अनिवार्य/ वैकल्पिक विषय रहा हो या दोनों में से कोई एक परीक्षा का माध्यम रहा हो और दूसरा अनिवार्य/वैकल्पिक विषय रहा हो।						
या						
किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से हिन्दी/अंग्रेजी से भिन्न किसी विषय में मास्टर डिग्री जिसमें हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम रहा हो तथा अंग्रेजी/हिन्दी अनिवार्य/वैकल्पिक विषय या परीक्षा का माध्यम रहा हो।						

4

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में डिग्री, जिसमें हिन्दी और अंग्रेजी अनिवार्य/वैकल्पिक विषय रहा हो या दोनों में से कोई एक परीक्षा का माध्यम रहा हो और दूसरा अनिवार्य/वैकल्पिक विषय रहा हो और हिन्दी में अंग्रेजी तथा अंग्रेजी में हिन्दी में अनुवाद करने का मान्यताप्राप्त डिप्लोमा/प्रमाणपत्र/पाठ्यक्रम हो या केन्द्रीय/राज्य सरकार के कार्यालयों में जिसमें भारत सरकार के उपक्रम सम्मिलित हैं हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कार्य का दो वर्ष का अनुभव हो।

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रान्त-नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

11

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण द्वारा जिसके तहत जाने पर सीधी भर्ती द्वारा।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

13

- | | |
|--|----------|
| 1. निदेशक | अध्यक्ष; |
| 2. एक समूह "क" अधिकारी | सदस्य; |
| 3. उप निदेशक प्रशासन (प्रशासनिक अधिकारी) | सदस्य; |
| 4. अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित अधिकारी | सदस्य; |

प्रान्त/प्रान्तनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा।

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण :
केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी :—

- (क) (i) जो सद्यः पद धारण किए हुए हैं, या
(ii) जिन्होंने 1200-2040 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है, या
(iii) जिन्होंने 950-1500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है, और
(ख) जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं हों।
(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य मण्डल/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य कांडर-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में मध्य लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

14

नाग नहीं होना

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 9th August, 1993

G.S.R. 440.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education Research, Pondicherry, Junior Hindi Translator Recruitment Rules, 1977 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Hindi Translator in the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry (Junior Hindi Translator) Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, quali-

fications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for such doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
Junior Hindi Translator	1*	General Central Services, Group 'C'. Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 1400-40-1800-f B- 50-2300	Not applicable.
	*Subject to variation dependent on work load.			
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Service (Pension) Rules 1972	Age limit for direct recruits			Educational and other qualifications required for direct recruits.
6	7			8
No	Not exceeding 28 years Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).			Master's degree of a recognised University in Hindi/English, with English/Hindi as a compulsory/elective subject or as medium of examination at degree level. OR Master's degree of a recognised University in any subject other than Hindi/English with Hindi and English as compulsory/elective subjects or either of the two as medium of examination and the other as a compulsory/elective subject at degree level. OR Master's degree of a recognised University in any subject other than Hindi/English, with Hindi/English medium and English/Hindi as a compulsory/elective subject or as medium of examination at degree level.
	Note.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir State, Lahaul and Spiti District & Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).			

8

OR

Bachelor's degree of a recognised University, with Hindi and English as compulsory/elective subjects or either of the two as medium of examination and the other as a compulsory/elective subject, plus a recognised Diploma/Certificate Course in Translation from Hindi to English and vice-versa or two year's experience of translation work from Hindi to English and vice-versa in Central/State Government Offices, including Government of India undertakings.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentages of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made
9	10	11	12
Not applicable.	2 years	By transfer on deputation or transfer failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation/transfer from amongst Central Government Officers holding :— (a) (i) analogous posts, or (ii) Posts in the pay scale of Rs. 1200-2040 or equivalent with three years' regular service in the grade, or (iii) Posts in the pay scale of Rs. 950-1500/- or equivalent with five years' regular service in the grade, and (b) Possessing educational and other qualifications laid down in column 8 for direct recruits. Note.—The period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years.

13

14

1. Director —Chairman
2. A Group 'A' Officer—Member.
3. Dy. Director Administrative (Administrative Officer)—Member.
4. An Officer belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes—Member.

Not Applicable

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1993

सा.का.नि. 441.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी के मनश्चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी (मनश्चिकित्सीय सामाजिक कार्यकर्ता) भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा अर्हताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयुसीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपाबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयुसीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	मीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
2	2	3	4	5	6	7
मनश्चिकित्सीय सामाजिक कार्यकर्ता	1 (एक)* 1993 *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अनुसूचिकीय	1600-50-2300-इ.रो.-60-2660 रु.	लागू नहीं होता	नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 40 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।

7

टिप्पण 1 : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंडमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी।

टिप्पण 2 : रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती की दशा में आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अन्तिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

8

9

10

आवश्यक :

चिकित्सा और मनश्चिकित्सीय समाज कार्य में विशेषता सहित समाज कार्य में एम.ए.

लागू नहीं होता

दो वर्ष

या

चिकित्सा और मनश्चिकित्सीय समाज कार्य में विशेषता सहित चिकित्सीय सामाजिक कार्यकर्ता।

वांछनीय : मनश्चिकित्सीय समाज कार्य में एम.फिल या चिकित्सा और मनश्चिकित्सीय समाज कार्य में डिप्लोमा।

2. तमिल का ज्ञान।

टिप्पण 1 : अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में सक्षम प्राधिकारी/कर्मचारी चयन आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी ग्रहता (ग्रहताएं)

सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर सक्षम प्राधिकारी को यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां, जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

गत प्रतिशत सीधे भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

टिप्पण: पदधारी के प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर या लम्बी बीमारी या अध्ययन छुट्टी या किन्हीं अन्य परिस्थितियों में एक वर्ष या उससे अधिक बाहर रहने के कारण हुई रिक्तियों केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारियों में से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के आधार पर भरा जा सकेगी:

- (क) (i) जो नियमाति आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं या
(ii) जिन्होंने 1400-2300/2600 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर चार वर्ष नियमित सेवा की हो, और

(ख) जिनके पास अनुसूचित 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित ग्रहताएं और अनुभव हों।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

(पुष्टि के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति)

लागू नहीं होता

- निदेशक, जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान, संस्थान अध्यक्ष;
- शिक्षितोप अधीक्षक सदस्य;
- उप निदेशक (प्रशा.)/प्रशासनिक अधिकारी सदस्य;
- अभिमानत: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का एक समूह 'क' अधिकारी सदस्य।

[सं. ए-12018/30/92-आर आर/एनई (पीजी) डैस्क]
आर. एल. मल्होत्रा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th August, 1993

G.S.R. 441.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Psychiatric Social Workers in the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry (Psychiatric Social Worker) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for such doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any other provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect relaxations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Psychiatric Social worker	1 *(one) (1993) *subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Non-Gazetted Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 1600-50-2300-EB-6 2660/-
Whether selection post or non-select/on post	Whether benefit of added years or service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits	
5	6	7	
Not applicable	No	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants upto 40 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	
		Note 1.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman Nicobar Islands and Lakshadweep).	
		Note 2.—In the case of recruitment made through Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Exchange is asked to submit the names.	

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any
8	9	10
Essential : M.A. in Social work with specialisation in Medical and Psychiatric Social Work. OR Medical Social worker with specialisation in Medical and Psychiatric Social work. Desirable : 1. M. Phil in Psychiatric Social works, or Diploma in Medical and Psychiatric Social work. 2. Knowledge of Tamil. Note 1.—Qualifications are relaxable at the discretion of the competent authority in case of candidates otherwise well qualified. Note 2.—The Qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the competent authority in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.	Not applicable.	Two years.
Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	
11	12	
100% by direct recruitment. Note. Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from officers of Central Government; (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with 4-years' regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300/-2600 or equivalent; and (b) possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.	Not applicable.	
If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
13	14	
(DPC for confirmation) 1. Director, Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research 2. Medical Superintendent 3. Dy. Director (Admn.)/Administrative Officer 4. A Group 'A' Officer preferably belonging to SC/ST	Not applicable Chairman —Member —Member —Member	

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1993

सा.का.नि. 442.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जवाहर लाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में सुरक्षा अधिकारी (समूह "ग") के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, सुरक्षा अधिकारी (समूह "ग") भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 9 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं और उसमें संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता.—वह व्यक्ति:—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुनूचित जातियों, अनुनूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अश्विक्त है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6	7
सुरक्षा अधिकारी	1(एक)* (1993) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अननुसन्धिवीय	1400-40- 1800-द.रो.- 50-2300 रुपये	चयन	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 40 वर्ष तक की जा सकती है। टिप्पण 1 : आयु सीमा अवधारित करने के लिए

निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंडमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी।

टिप्पण 2 : रोजगार कार्यालयों के माध्यम से भर्ती की दशा में, आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अन्तिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

मोटे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

परिवीक्षा को अवधि, यदि कोई हो।

8

9

10

आवश्यक :

शैक्षिक अर्हता : हां
आयु : नहीं

दो वर्ष

1. मैट्रिकुलेशन या समतुल्य ;

2. सेना/पुलिस/अर्ध सैनिक बल में पर्यवेक्षीय हैसियत में पांच वर्ष का अनुभव।

वांछनीय :

जूनियर कमीशंड आफिसर के रैंक का या सम-तुल्य भूतपूर्व सैनिक

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होंगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रशिक्षण

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में श्रेणियों जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

12

शत प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

ऐसा सहायक सुरक्षा अधिकारी, जितने उस श्रेणी में नियमित आधार पर पांच वर्ष सेवा की है या हवलदार सुरक्षा सारजेंट के रूप में नियमित आधार पर आठ वर्ष सेवा की है।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में से संव लोक सेवा आयोग परामर्श किया जाएगा।

13

14

1. निदेशक : अध्यक्ष;
2. चिकित्सा अधीक्षक : सदस्य;
3. उप निदेशक (प्रशा./प्रशासनिक अधिकारी) : सदस्य;
4. अधिमानतः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का एक समूह 'क' अधिकारी : सदस्य

लागू नहीं होता

[सं. : ए-12018/34/92-आर आर (एमई)/पीजी/ईस्क]
आर.एल. मल्होत्रा, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th August, 1993

G.S.R. 442.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby takes the following rules regulating the methods of recruitment to the post of Security Officer (Group 'C') in the Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research, Pondicherry (Security Officer) (Group 'C') Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of the recruitment, age limit, qualifications and other matter relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
Security Officer	*1(one) (1993) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service, Group 'C', Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs 1400-40-1800-EB-50-2300	Selection
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits		
6	7	8		
Not applicable	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants upto 40 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	Essential : 1. Matriculation or equivalent; 2. 5 years experience in supervisory capacity in Army/Police/Paramilitary Forces.		

6	7	8
	Note 1 —The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman Nicobar Island and Lakshadweep). Note 2 —In the case of recruitment made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.	Desirable: Ex-servicemen in the rank of junior Commissioned Officer or equivalent.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentages of the vacancies to be filled by various method.
		In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made.
9	10	J 11
Educational Qualification : Yes Age : No	Two years	100% by promotion failing which, by direct recruitment.
		Assistant Security officer with 5 years service in the grade on regular basis or 8 years service as Havildar/Security Sergeant on regular basis.
	If a DPC	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
	13	14
1. Director—Chairman 2. Medical Superintendent—Member 3. Dy. Director (Admn.)/Administrative Officer.—Member 4. A Group 'A' Officer preferably belonging to Schedule Caste/Scheduled Tribe—Member.		Not applicable.
[No. A-12018/34/92-RR/ME(PG) Desk] R.L. MALHOTRA, Desk Officer.		

[No. A-12018/34/92-RR/ME(PG) Desk]

R.L. MALHOTRA, Desk Officer.

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय
(सीमा सड़क विकास मंडल)
नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1993

सा.का.नि. 443.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3(i), दिनांक 9 मई, 1992 में प्रकाशित, भूतल परिवहन मंत्रालय में भारत सरकार की अधिसूचना संख्या जी एस आर 214, दिनांक 23 मार्च, 1992 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:—

उपरोक्त अधिसूचना में नियम 1, के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाय—

“इन नियमों को सामान्य रिजर्व इंजिनियर बल समूह “ब” पर (अराज्यपत्ति) अर्थात् संशोधन नियम, 1992 कहा जायेगा।”

[सं. एफ 144(2) 1990-कार्मिक]

एम. आंबेडकर, अधर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

((Border Roads Development Board))

New Delhi, the 30th July, 1993

G.S.R. 443.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. G.S.R. 214 dated 23rd March, 1992 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3(i) dated the 9th May, 1992, namely :—

In the said notification, for sub-rule (1) of rule 1, the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(1) These rules may be called the General Reserve Engineer Force Group ‘B’ posts (Non-gazetted) Recruitment Amendment Rules, 1992.”

[No. F. 144(2)/1990-Pers.]

M ANIANEYULU, Under Secy.

(पोत परिवहन खंड)

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1993

(वाणिज्यिक पोत)

भा. का. नि. 444.—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 7 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 435 (ब) के अधीन या

इसके संबंध में प्रयोक्तव्य शक्तियाँ पोत परिवहन महानिदेशक द्वारा भी प्रयोग की जा सकेंगी परन्तु यह कि उन दशाओं में जहाँ अन्तरिती भारतीय नागरिक नहीं है या कोई कंपनी जो उक्त अधिनियम की धारा 21 के खंड (ख) की अपेक्षाओं का समाधान करता है किसी भारतीय मछली पकड़ने वाली नौका के अंतरण के लिए पूर्व अनुमोदन देने की शक्ति महानिदेशक द्वारा प्रयोक्तव्य नहीं होगी।

[फा. सं. एस्. आर. 11012/7/92-एम. ए.]

ओ. पी. माहे, अव्वर सचिव

(Shipping Wing)

New Delhi, the 19th August, 1993

(Merchant Shipping)

G.S.R. 444.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 7 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under or in relation to section 435(q) of the said Act shall be exercisable also by the Director-General of Shipping, provided that the power to give prior approved to the transfer of any Indian fishing boat shall not be exercisable by the Director-General, in cases where the transferee is not a citizen of India or a company satisfying the requirements of clause (b) of section 21 of the said Act.

[File No. SR-11012/7/92-MA]

O. P. MAHEY, Under Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 24th August, 1993

(MERCHANT SHIPPING)

G. S. R. 445.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Shipping Wing) No. G.S.R. 724(E), dated the 5th December, 1991 notifying the Merchant Shipping (Carriage of Grain) Rules, 1991, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 5th December, 1991, at pages 15-30,—

1. At page 19, in column 1 below rule 13(2)(d)—

(i) for “GMR $\frac{LB V Va (0.25B - 0.6451 \times va - B,}{SF \times \Delta \times 0.00875}$ ”

read “GMR = $\frac{LB Vd (0.25B - 0.645 \times \sqrt{Vd \times B}}{SF \times \Delta \times 0.0875}$ ”

(ii) in line 42 insert the word “Heeling” between the word “assumed” and “moments”;

2. At page 19 in column 2,—

(i) in line 8, insert the figure “1” after the word “Table”,

(ii) in line 14, for the word “of”, read “or”.

Page 21 in column 2,—in line 6, for the word “shaft”, read “abaft”

4. At page 23 in column 2,—
 - (i) in line 3, insert the words “exterior typed bonded”, between the words “an” and “with”;
 - (ii) in line 3, omit the word “of”.
5. At page 25, under Table II, against item 3.5, under column 10 *for* the figure “3756”, *read* “3675”.
6. At page 26, under the Table III, against item 8 under column 2, *for* “4.9” *read* “47.9”.
7. At page 27, under Table IV, against item 6 under column 7, *for* “45.2”, *read* “45.3”.
8. At page 28, under column 2,—
 - (i) in line 43, *for* “which”, *read* “winch”;
 - (ii) in line 53, *for* the words “The lashing shall be spaced not more”, *read* “prior to the completion of loading”.
9. At page 29 in column 2, in line 23, *for* the words “correct the metacentric height or the”, *read* “representing the deepest load line and the”.

[F.No. SR-11013/2/88-MA]
O.P. MAHEY, Under Secy.